

  
**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 60]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 18, 1976/माघ 29, 1897

No. 60] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 18, 1976/MAGHA 29, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th February 1976

**G.S.R. 87(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 22 of the Rice-Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified shall be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Amendment Rules, 1976.

2. In the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959,—

(1) In rule 3,—

(i) in sub-rule (2), after the words, "adequate supply of rice", the words "and whether the proposed mill shall help in avoiding wastages and improve

quality of rice and other bye-products through the adoption of modern techniques" shall be inserted;

(ii) in sub-rule (3), for clauses (a), (b) and (c), the following clauses shall be substituted, namely:—

"(a) in case the proposed mill consists of one or more than one huller, the applicant shall ensure that no such huller is utilised for dehusking paddy and that for the purpose of such dehusking such applicant installs a rubber roll sheller or centrifugal dehusker along with a paddy cleaner and a paddy separator at any time before such establishment or recommencement of milling operations in a defunct rice mill, provided that in the case of a single huller, the dehusker, paddy cleaner and paddy separator may be installed either as individual separate units or be incorporated into one integrated composite mill;

(b) in case the proposed mill is a sheller-cum-huller type, the applicant shall ensure that—

(i) he installs a rubber roll sheller with a paddy cleaner and a paddy separator for purposes of dehusking paddy;

(ii) he utilises the huller only for the polishing of rice till such time as directions to the contrary are received by him from the said authority or the licensing officer; and

(c) in case the proposed mill is a sheller type, the applicant shall ensure that he installs a rubber roll sheller fitted with a paddy cleaner and paddy separator";

(2) in the Schedule, in Form IV, in clause 3, in condition (3D),—

(i) for paragraph (a), the following paragraph shall be substituted, namely:—

"(a) Where the rice mill consists of a single huller or more than one huller,—

(i) he shall not utilise the huller for dehusking paddy, but utilise it only for polishing rice, and

(ii) he shall instal either a rubber roll sheller or a centrifugal dehusker with paddy cleaner and paddy separator";

(ii) in paragraph (b), in sub-paragraph (ii), for the letter and words "a rubber roller", the letter and words "a rubber roll sheller" shall be substituted;

(iii) to condition (3d), the following footnote shall be added, namely:—

"NOTE.—In the case of mills licensed prior to the 30th April, 1975, the licensing officer may, for sufficient reasons, extend the period of modernisation by another two years".

[No. 10 (4)/73-WT. III/DR. III]

L. C. GUPTA, Jt. Secy.

### कृषि और सिंचाई मंत्रालय

#### (खाद्य विभाग)

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1976

सा० का० नि० 87 (घ).—देशीय सरकार, धान कुटाई उद्योग (विनियमन) अधिनियम, 1958 (1958 का 21) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धान-कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियम बनाना चाहती है। जैसाकि उक्त धारा की उपधारा (1) में अपेक्षित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती

है कि उक्त प्रारूप पर उसी तारीख से जिसकी उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध कराई जाती है, 45 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार उस पर विचार करेगी।

### नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम धान-कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) संशोधन नियम, 1976 है।

2. धान-कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 में,—

(1) नियम 3 में,—

(i) उपनियम (2) में, “आवश्यक है” शब्दों के पश्चात् “और क्या प्रस्तापित मिल आधुनिक तकनीकों को अपनाकर बरबादी को रोकने और चावल तथा उपोत्पादों की क्वालिटी सुधारने में सहायता देगी” शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे ;

(ii) उपनियम (3) में, खण्ड (क), (ख) और (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखे जाएंगे, अर्थात् :—

(क) यदि प्रस्थापित मिल में एक या एक से अधिक भूसी उतारने के यंत्र (हलर) हों, तब आवेदक यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसा कोई भूसी उतारने का यंत्र (हलर) धान की भूसी उतारने के लिए उपयोग में नहीं लाया जाए, और ऐसे भूसी उतारने के प्रयोजनार्थ ऐसा आवेदक ऐसे स्थापन या किसी निष्क्रिय चावल मिल में कुटाई के काम को फिर से आरम्भ करने के पूर्व किसी समय धान क्लीनर और धान पृथक्कृत के साथ-साथ रबड़ रोल शेलर या अपकेन्द्री डिहस्कर लगाए : परन्तु एकल भूसी उतारने के यंत्र (हलर) की दशा में, डिहस्कर, धान क्लीनर और धान पृथक्कृत या तो अकेले पृथक् एककों के रूप में लगाए जा सकेंगे या एक एकीकृत संयुक्त मिल में निगमित किए जा सकेंगे ;

(ख) यदि प्रस्थापित मिल, शेलर-एवं-हलर किस्म की हो, तो आवेदक यह सुनिश्चित करेगा कि—

(i) वह धान की भूसी उतारने के प्रयोजनों के लिए धान क्लीनर और धान पृथक्कृत के साथ रबड़ रोल शेलर लगाए ;

(ii) वह उस समय तक, जब तक उक्त प्राधिकारी या अनुज्ञापन अधिकारी से उसे तत्प्रतिकूल निदेश प्राप्त नहीं होते भूसी उतारने के यंत्र (हलर) का प्रयो केवल चावल को चमकाने के लिए करे ; और

(ग) यदि प्रस्थापित मिल, गोलर किस्म की हो, तो आवेदक यह सुनिश्चित करेगा कि वह धान क्लीनर और धान पृथक्त्र के साथ फिट किया हुआ रबड़ रोल गोलर लगाए” ;

(2) अनुसूची में प्रारूप के खण्ड 3 की शर्त (3घ) में,—

(i) पैरा (क) के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) जहां चावल मिल में एकल भूसी उतारने का यंत्र (हलर) या एक से अधिक भूसी उतारने के यंत्र (हलर) हों, वहां —

(i) वह धान की भूसी उतारने के लिए हलर का प्रयोग नहीं करेगा, किन्तु केवल चावल को चमकाने के लिए उसका प्रयोग करेगा, और

(ii) वह धान क्लीनर और धान पृथक्त्र के साथ या तो रबड़ रोल गोलर या अपकेंद्री ड्रिहस्कर लगाएगा” ;

(ii) पैरा (ख) के उपपैरा (ii) में, “रबड़ रोलर” शब्दों के स्थान पर, “रबड़ रोल गोलर” शब्द रखे जाएंगे ;

(iii) शर्त (3घ) में निम्नलिखित पाद टिप्पण जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण :— 30 अप्रैल, 1975 के पूर्व अनुज्ञप्त मिलों की दशा में, अनुज्ञापन अधिकारी, पर्याप्त कारणों से, आधुनिकीकरण की अवधि दो वर्ष और बढ़ा सकेगा” ।

[सं० 10(4)/73-डब्ल्यू टो III/डी गार III]

एल० सी० गुप्त, संयुक्त सचिव ।